विद्या भारती न्यूजलेटर

इस अंक में...

- प्रधानमंत्री को सौंपी सामाजिक विज्ञान की तीन पुस्तकें
- प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक, जयपुर
- भारतीय ज्ञान प्रणाली के आलोक में कंप्यूटर विज्ञान/ आईटी पर कार्यशाला
- मार्बल टाइल्स बिछाने का काम करते हैं पिता, पुत्र ने पाया बिहार बोर्ड में दूसरा स्थान
- संस्कृति बोध परियोजना अखिल भारतीय कार्यशाला
- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी: पूर्वी उ.प्र. द्वारा 19 मई को आयोजित कार्यक्रम में
- सामाजिक कार्यकर्ता ताई तगाक को प्रतिष्ठित कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार
- विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की साधारण सभा सम्पन्न
- विद्या भारती में विभिन्न प्रकार के आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 2022
- नंदलाल गीता विद्या मंदिर तेपला, जिला अंबाला में कौशल विकास वर्ग का आयोजन, 22 विधाओं का दिया गया प्रशिक्षण
- आईएसबी (ISB) में विद्या भारती के पूर्व छात्र द्वारा बनाई गई विशेष पेंटिंग का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण
- सामाजिक समरसता और गुणीजन सम्मान समारोह
- छात्रों की राज्यपाल महोदया आनंदीबेन पटेल जी से भेंट
- विद्या भारती की प्रशंसा और उपलब्धियां: यू पी एस सी सिविल सेवा परीक्षा परिणाम
- विद्या भारती की उपलब्धियां : अन्य क्षेत्र में
- समाचार पत्रों में विद्या भारती

प्रधानमंत्री को सौंपी सामाजिक विज्ञान की तीन पुस्तकें

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तैयार की गई कक्षा 6,7,8 के लिए पाठ्य-सामग्री
- रेडियंट भारत, रेजिलिएंट भारत और रिसर्जेंट भारत शीर्षक से किया गया प्रकाशन
- विद्या भारती व चिन्मय युवा केंद्र के संयुक्त प्रयास से किया गया पुस्तक लेखन

विद्या भारती के वैशिष्ट्य के विषयों को समाज के सामने लाएं प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक

- प्रचार विभाग के सभी कार्यकर्ता रखें विद्या भारती के कार्यों की जानकारी - अवनीश जी
- विद्यालय चलाना ही नहीं, शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करना अपना कार्य: सुधाकर रेड्डी जी
- भारतीय शिक्षा का विचार समाज तक पहुंचाना प्रचार विभाग का उद्देश्य: शिव प्रसाद जी

चेन्नई। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान और चिन्मय युवा केंद्र की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सामाजिक विज्ञान की तीन पुस्तकें भेंट की गईं। ये तीनों पुस्तकें कक्षा 6, 7 और 8 के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तैयार की गई हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से चेन्नई में लगभग 25 विद्या भारती स्कूलों और 5 चिन्मय विद्यालयों में इन पुस्तकों को लागू किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक दिन की चेन्नई यात्रा के दौरान विद्या भारती और चिन्मय युवा केंद्र की ओर तैयार की गई सामाजिक विज्ञान की कक्षा 6,7 और 8 की पुस्तकों को प्रधानमंत्री को भेंट किया गया। इन तीनों पुस्तकों को क्रमशः रेडियंट भारत, रेजिलिएंट भारत और रिसर्जेंट भारत शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में क्षेत्रीय सामग्री को समाहित करने का विशेष प्रावधान किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन पुस्तकों में क्षेत्रीय सामग्री को पर्याप्त स्थान दिया गया है।

विद्या भारती उत्तर तमिलनाडु और चिन्मय मिशन चेन्नई ने सच्चाई को सामने लाने और छात्रों के सामने भारत के इतिहास को प्रस्तुत करने के लिए इतिहास को फिर से लिखकर इस स्थिति को पूर्ववत करने के लिए एक परियोजना की कल्पना की जो प्रेरित करने के साथ अपने पूर्वजों पर गर्व का बोध कराएगी। इस दृष्टि से 2019 में कक्षा 6,7 और 8 के लिए सामाजिक विज्ञान की पुस्तकें तैयार करने का विचार किया गया और इस विषय पर विद्या भारती के प्रतिनिधियों और चिन्मय युवा केंद्र के प्रमुख स्वामी मित्रानंद जी के बीच प्रारंभिक चर्चा हुई। उस समय यह संदर्भ भी सामने आया था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों में क्षेत्रीय सामग्री के समावेश का भी प्रावधान किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए चिन्मय युवा केंद्र के प्रमुख स्वामी मित्रानंद जी की अध्यक्षता में विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डी रामकृष्ण राव जी क्षेत्रीय अध्यक्ष चक्रवर्ती जी और अन्य प्रतिनिधियों की औपचारिक बैठक हुई। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में विद्या भारती और चिन्मय मिशन के प्रधानाचार्यों, शिक्षा अधिकारियों, इतिहास शिक्षकों और स्वयंसेवकों की टीमों का गठन किया गया। इनमें विद्या भारती के 70 शिक्षक और 30 चिन्मय मिशन स्कूलों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन टीमों ने दो वर्ष के शोध, लेखन, संपादन और डिजाइनिंग के बाद कक्षा 6, 7 और 8 के लिए सामाजिक विज्ञान की पुस्तकें क्रमशः रेडियंट भारत, रेजिलिएंट भारत और रिसर्जेंट भारत तैयार कीं। पुस्तकों को अंतिम रूप देने से पूर्व स्वामी मित्रानंद जी ने प्रत्येक पृष्ठ और शब्द का अवलोकन कर आवश्यक सुधारों के लिए सुझाव दिए। तीनों पाठ्य-पुस्तकों को तैयार करने में विद्या भारती के पूर्व छात्र प्रमुख श्रीराम जी ने अमूल्य योगदान दिया।

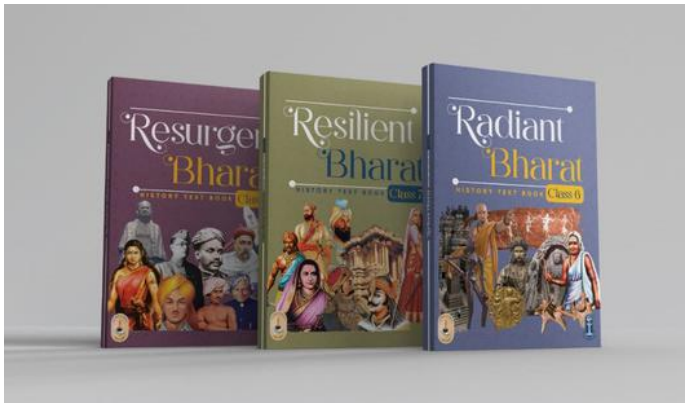

विगत अप्रैल माह में चेन्नई के चिन्मय हेरिटेज सेंटर में भव्य समारोह में इन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर इतिहासकार विक्रम संपत जी, वीर सावरकर पर दो खंडों की जीवनी के लेखक और फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री जी, विद्या भारती के दक्षिण मध्य क्षेत्र अध्यक्ष उमामहेश्वर राव जी और विवेकानंद एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष एन. गोपालस्वामी आदि उपस्थित रहे।

प्रामाणिक और भारत-केंद्रित इतिहास कथन जरूरी

औपनिवेशिक दिनों से स्कूली छात्रों को भारत के इतिहास के बारे में इस तरह से पढ़ाया जाता रहा जिसमें हमारे पूर्वजों का सभ्यता से रहित वनवासियों के रूप में उपहास किया गया। ऐतिहासिक आख्यान आक्रमणकारियों और उपनिवेशवादियों के दृष्टिकोण से था और इसने भारत के वीरों द्वारा किए गए उत्साही प्रतिरोध की सहस्राब्दियों को स्वीकार नहीं किया। आक्रमणकारियों की प्रशंसा करके और देशी राजाओं के इतिहास को अंधकार में धकेलने से युवा पाठकों के मन में एक पराजयवादी भाव पैदा हो गया है। एक प्रामाणिक और भारत-केंद्रित इतिहास-कथन की आवश्यकता हमारी आजादी के बाद से ही रही है। दुर्भाग्य से, स्वतंत्रता के बाद का राजनीतिक नेतृत्व और शिक्षाविद् इतिहास लेखन को ठीक करने में विफल रहे और भारत के इतिहास को पुराने औपनिवेशिक विवरण के साथ जारी रखा।

प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक, जयपुर

- **प्रचार विभाग के सभी कार्यकर्ता रखें विद्या भारती के सभी कार्यों की जानकारी - अवनीश जी**
- **विद्यालय चलाना ही नहीं, शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करना अपना कार्यः सुधाकर रेड्डी जी**
- **भारतीय शिक्षा का विचार समाज तक पहुंचाना प्रचार विभाग का उद्देश्यः शिव प्रसाद जी**

जयपुर। विद्या भारती ने भारतीय शिक्षा के विचारों को समाज तक पहुंचाने के लिए प्रचार विभाग को खड़ा किया है। व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए हम काम नहीं करते हैं। भारतीय शिक्षा के विचार एवं विद्या भारती की सफलताओं, परिणामों और प्रभावी कार्यों के बारे में समाज को बताना अपना कार्य है। ये विचार 30 अप्रैल से एक मई 2022 तक जयपुर के जवाहर नगर स्थित सेवाधाम परिसर में संपन्न हुई विद्या भारती प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक के उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजस्थान श्री शिव प्रसाद ने व्यक्त किए। विद्या भारती प्रचार विभाग के प्रभारी श्री सुधाकर रेड्डी ने कहा कि केवल विद्यालय चलाना ही हमारा कार्य नहीं है, शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करना भी अपना कार्य है। विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने बताया कि विद्या भारती में क्या-क्या चलता है, यह प्रचार विभाग के कार्यकर्ताओं को पता होना चाहिए। विद्या भारती के वैशिष्ट्य के विषयों को समाज के सामने लाना अपना कार्य है। विचार सामने आएगा तो समाज भी स्वीकार करेगा। अपने कार्य को बढ़ाने के लिए नये कार्यकर्ताओं को टोली में जोड़ना, सीखने-सिखाने का क्रम जारी रखना और प्रान्त की आवश्यकताओं के अनुसार 2025 तक अपना कार्य कहाँ तक पहुंचेगा, इसका चिन्तन कर शीघ्र योजना बनानी चाहिए।

आठ सत्रों में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

विद्या भारती प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक आठ सत्रों में संपन्न हुई। इस दौरानविभिन्न प्रान्तों में चल रही गतिविधियों की जानकारी व समीक्षा, News mining and Analysis, Content dissemination, Content Audit, साइबर लॉ, यू-ट्यूब एल्गोरिथम, वीडियो कंटेंट निर्माण, संगठन व्यवस्था, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं अमृत महोत्सव पर प्रचार विभाग की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इसके अलावा प्रान्तों से अपेक्षाएं, अष्ट बिंदु योजना की जानकारी, Archive System on state level, Crowd sourcing जैसे विषयों पर विभिन्न अधिकारियों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। व्यवहारिक अनुभव के लिए प्रतिभागियों को दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका एवं महानगर टाइम्स के कार्यालयों का भ्रमण कराया गया। जयपुर जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन कार्यों को दर्शाने के लिए बैठक स्थल पर प्रदर्शनी लगाई गई।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री राजस्थान श्री गोविन्द कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजस्थान श्री भरत राम, प्रान्त संगठन मंत्री दिल्ली व प्रचार विभाग केन्द्रीय टोली के सदस्य श्री रवि कुमार, क्षेत्रीय सह मंत्री राजस्थान श्री प्रेम सिंह शेखावत एवं विश्व संवाद केंद्र जयपुर से श्री अशोक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में देश भर के 11 में से 10 क्षेत्रों से 31 प्रान्तों का प्रतिनिधित्व करते हुए 73 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि विद्या भारती प्रचार विभाग की अखिल भारतीय बैठक गत पांच वर्षों से हो रही है। इस बैठक में प्रान्त प्रचार प्रमुख, प्रान्त संवाददाता और प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख भाग लेते हैं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली के आलोक में कंप्यूटर विज्ञान/आईटी पर कार्यशाला

समग्र विकास के लिए मूल्य आधारित शिक्षा मॉडल अपनाएं- प्रो. रेड्डी

कुरुक्षेत्र। कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, एनआईटी, कुरुक्षेत्र और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, नोएडा ने संयुक्त रूप से एनईपी 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली के आलोक में कंप्यूटर विज्ञान / आईटी पर 25-26 मई 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में एनआईटी कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी.वी. रमण रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विकास पर आधारित हो। हमें अपने प्राचीन ज्ञान का पुनरावलोकन करना होगा और यह पता लगाना होगा कि यह धरणाक्षम विकास के लिए किसी भी तकनीकी क्षेत्र की उन्नति में कैसे मदद कर सकता है। प्रो. रेड्डी ने samgar विकास के लिए परिणाम आधारित शिक्षा मॉडल के बजाय मूल्य आधारित शिक्षा मॉडल पर जोर दिया।

कार्यशाला के पहले सत्र में जेएनयू दिल्ली के प्रोफेसर गिरीश नाथ झा ने पाणिनि के व्याकरण और कंप्यूटर विज्ञान पर विचार रखे। दूसरे सत्र में कंप्यूटर शिक्षा में नई शिक्षा नीति की भूमिका की जानकारी प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, प्रमुख कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग ने दी। तीसरा सत्र कंप्यूटर विज्ञान की पुस्तकों में आईकेएस को अपनाना विषय पर केंद्रित था जिस पर डॉ. ललित मोहन गोयल, वाईएमसीए फरीदाबाद ने विचार रखे।

दूसरे दिन कार्यशाला में गणितज्ञ और शैक्षिक प्रौद्योगिकीविद् डॉ. अपर्णा लालिंगकारा ने कंप्यूटर विज्ञान की पुस्तकों को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. गजेंद्र प्रताप सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनयू दिल्ली ने पिंगल प्रणाली और आधुनिक प्रणालियों के बीच अंतर पर विचार रखे और कहा कि कैसे पिंगल प्रणाली को समझने का प्रयास कंप्यूटरों में भारतीय वैदिक गणित के विकास को गति प्रदान कर सकता है। अनिरुद्ध सिंघल, रोबोटिक इंजीनियर, टीसीएस ने बताया कि कैसे वैदिक दर्शन नई दुनिया की समस्या को हल करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि जहां द्विगुणित तर्क (quadratic logic)अब मान्य नहीं है तो इस तरह की समस्याओं की जांच के लिए वैदिक तर्क प्रणाली यानि ट्राइवैल्यूड या मल्टीवैल्यूड का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

खुली चर्चा की अध्यक्षता एनआईटी जलंधर के निदेशक प्रो बिनोद कुमार कनौजिया ने की। कार्यक्रम में प्रो. अखिलेश स्वरूप, प्रो. सतहंस, डीन अकादमिक, प्रो. एसएम गुप्ता डीन आईआईआर, एनआईटी कुरुक्षेत्र, डॉ. संदीप सूद, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. गौरव सैनी, डॉ. सारिका जैन, डॉ. कपिल, डॉ. लोकेश जिंदल, जेएनयू दिल्ली, डॉ. नीलम डबास दिल्ली विश्वविद्यालय, संकाय सदस्य, स्कूल शिक्षक और शोधार्थी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मार्बल टाइल्स बिछाने का काम करते हैं पिता, पुत्र ने पाया बिहार बोर्ड में दूसरा स्थान

बिहार। बिहार बोर्ड ने हाल ही में 10वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किए हैं। पहले माना जा रहा था कि कोरोना महामारी के चलते इस बार परिणाम बहुत अच्छे नहीं होंगे, लेकिन हुआ ठीक इसके विपरीत। इस बार अनुभव हुआ कि कैसे संसाधनों के अभाव में भी लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। बिहार बोर्ड की परीक्षा में इस बार पवन कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अभावग्रस्त परिवार के पवन ने 500 में से 483 अंक हासिल किए हैं। पवन के पिता नंदलाल मोती घरों में मार्बल टाइल्स लगाने का काम करते हैं जबकि पवन की मां बबीता देवी घर का काम संभालती हैं। पवन ने अपनी मेहनत के बल पर कभी गरीबी को स्वयं पर हावी होने नहीं दिया। पवन के पिता को जबपता चला कि उनके सुपुत्र ने बिहार बोर्ड की परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त

किया है तो उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ग्रामीणों ने घर आकर पवन और उनके परिवार को बधाई दी।

आई ए एस बनना चाहता है पवन

पवन आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहता है। पवन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर पंडारक से प्राप्त की। इसके बाद पूर्णिया विद्या मंदिर में प्रवेश लिया था।

संस्कृति बोध परियोजना अखिल भारतीय कार्यशाला

बालकों को छात्र जीवन से हो संस्कृति का ज्ञान : श्रीराम आरावकर जी

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय संस्कृति बोध परियोजना अखिल भारतीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति का ज्ञान बालकों में छात्र जीवन से हो। उन्होंने कहा कि संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन देशभर में किया जाता है। विगत दो वर्षों से परिस्थितियां अनुकूल न होने के बाद भी गत वर्ष संस्कृति ज्ञान परीक्षा में नौ लाख परीक्षार्थियों ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त अभिभावकों और समाज तक भी भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर प्राप्त हो, इसके लिए प्रवेशिका के रूप में परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 1.5 लाख शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के अन्य वर्गों ने भाग लिया है।

कार्यशाला में अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र एवं संस्कृति महोत्सव में आयोजित होने वाले संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच का निर्माण किया गया। संस्थान के

सहसचिव वासुदेव प्रजापति ने संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाने और प्रश्न निर्माण करने के लिए आवश्यक बातों की जानकारी दी। संस्कृति बोध परियोजना के राष्ट्रीय संयोजक दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने सभी प्रतिभागियों के वर्ग अनुसार (शिशु, बाल, किशोर, तरुण) समूह बनाकर प्रश्नपत्र और प्रश्न मंच निर्माण का कार्य आरंभ कराया। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से 59 शिक्षाविदों ने भाग लिया।

विद्या भारती द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पधारे

लखनऊ। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा 19 मई को आयोजित कार्यक्रम में पधारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रीयता से ओतप्रोत संस्कारवान शिक्षा देने का काम विद्या भारती कर रही है। आज देशभर में हजारों की संख्या में विद्या भारती के शिक्षा संस्थान वर्तमान पीढ़ी को बिना भेदभाव के शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं। विद्या भारती 'अमृत वर्ष' के अभियान के साथ जुड़कर अमर बलिदानियों को सम्मान भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या भारती का शुभारम्भ 1952 में गोरखपुर में ही हुआ था। गोरखपुर के जिस पहले शिशु मंदिर से विद्या भारती की शुरुआत हुई, वह विद्यालय आज भी राष्ट्रीयता से ओतप्रोत राष्ट्रभक्तों को पैदा करने का कार्य कर रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता ताई तगाक को प्रतिष्ठित कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार

गुवाहाटी। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता व अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार ताई तगाक को पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति (पीजेएसएस) ने प्रतिष्ठित कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार-2021 से सम्मानित किया है। गुवाहाटी स्थित पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति एक नागरिक संगठन है जो पूर्वोत्तर में जनजातीय समुदायों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कार्य कर रहा है।

कृष्ण चंद्र गांधी पुरस्कार वर्ष 2007 से निरंतर पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा जनजातीय क्षेत्र में अनुपम सेवायें प्रदान करने वाले एवं पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के मुख्य पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार समारोह का आयोजन सुदर्शनालय गुवाहाटी में किया गया। समारोह में असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य वक्ता विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के महामंत्री अवनीश भटनागर, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति व विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगा प्रसाद परसाईं जी, पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के अध्यक्ष सदा दत्त व कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह में अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शिक्षा संस्थान है। विद्या भारती ने शिशु वाटिका शिक्षा पद्धति अनुभव के आधार पर विकसित की है। विद्या भारती शिक्षा के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करते हुये देशभक्त नागरिक तैयार करने का कार्य करती है।

शिक्षा मंत्री रनौज पेगू ने कहा हमें विचार करना चाहिए देश के लिये हम क्या कर रहे हैं। उन्होनें कहा शिक्षा का प्रथम स्थान घर होता है, उसके बाद समाज से शिक्षा प्राप्त होता है। उसके पश्चात ही पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षा विद्यालयों में प्राप्त होती है। सामाजिक शिक्षा व पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था के बीच की दूरियों को कम करने के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति वर्ष 2007 से शिक्षा क्षेत्र के कर्मयोगी समाजसेवकों को कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार प्रदान कर रही है। ताई तागक जी को पुरस्कार में स्मृति चिन्ह, फूलोम गमछा, पुस्तकें, इरी चादर व एक लाख रूपये का चैक सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। ताई तागक जी ने सम्मान राशि कृष्णचन्द्र गांधी फाउण्डेशन हेतु दान कर दी।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की साधारण सभा सम्पन्न

तेलंगाना | विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की साधारण सभा की बैठक दिनांक 21 एवं 22 मई 2022 को भाग्यनगर (तेलंगाना) में सम्पन्न हुई। साधारण सभा में 21 प्रदेशों के कुल 131 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए जिसमें 21 महिला प्रतिनिधि शामिल थीं। उद्घाटन, समापन के अतिरिक्त सात तकनीकी सत्रों में सम्पन्न इस बैठक में अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें संस्था के संविधान में संशोधन, प्रांत स्तर पर संगठनात्मक स्वरूप के दृढीकरण एवं विस्तार, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय भाषाओं को जन विमर्श तक पहुँचाने की रणनीति, भारतीय मनोविज्ञान एवं स्त्री विमर्श इत्यादि प्रमुख रहे। इस बैठक में देशभर से आए प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के अतिरिक्त सह सरकार्यवाह मा. कृष्णगोपाल जी, भारतीय भाषा समिति केचमूकृष्ण शास्त्री जी, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव जी उपस्थित रहे। मा. कृष्णगोपाल जी ने अपने उद्बोधन में सदियों तक षड्यंत्र के तहत उपेक्षित की गई भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति में दुबारा लाने का आह्वान किया ताकि देश के युवा राष्ट्रीयता के भाव से ओतप्रोत हो एवं समरस समाज बनाकर भारत को विश्वगुरु के पद पर पुन: स्थापित कर सकें। अंतिम सत्र में प्रो. कैलाशचन्द्र शर्मा जी को अध्यक्ष के पद पर दुबारा चुना गया। नई कार्यकारिणी में निवर्तमान संगठन मंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी को उपाध्यक्ष, प्रो. नरेन्द्र कुमार तनेजा जी को महामंत्री, श्री के. एन. रघुनंदन जी को संगठन मंत्री घोषित किया गया।

विद्या भारती में विभिन्न प्रकार के आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 2022

- हर वर्ष विद्या भारती शिक्षकों को समाज, संस्कृति और राष्ट्र में उनकी भूमिका से अवगत कराने के लिए सुनियोजित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करती है।
- सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी में विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा 15 दिवसीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।
- विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत का आधार भूत विष्य प्रशिक्षण शिविर, 13 प्रशिक्षकों से 207 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिला जेल में भगवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के छात्रों के साथ बैठक

नंदलाल गीता विद्या मंदिर तेपला में कौशल विकास वर्ग का आयोजन, 22 विधाओं का दिया गया प्रशिक्षण

विभिन्न गतिविधियों में अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- कक्षाएं 4th -10th , कुल छात्र – 951
- प्रशिक्षक – 55 आचार्य एवं 7 अभिभावक
- समयावधि - 2 दिन

- विद्युत कार्य = 102
- सिलाई = 25
- बढ़ईगीरी = 20
- क्ले मॉडलिंग = 56
- खाना बनाना = 170
- पेंसिल स्केचिंग = 39
- बागवानी = 41
- किचन गार्डनिंग = 22
- कला और शिल्प = 29
- पोस्टर बनाना = 12
- स्लोगन राइटिंग = 15
- नलसाजी = 45
- वीडियोग्राफी = 8
- फोटोग्राफी = 5
- पत्रकारिता = 2
- आशु भाषण = 7
- स्किट, ड्रामा = 42
- घोषणा = 8
- बहस = 9
- पेपर रीडिंग = 6
- कचरे से सर्वश्रेष्ठ = 9
- योग = 54
- खेल = 200
- नृत्य और गीत = 25

नंदलाल गीता विद्या मंदिर तेपला, अंबाला में दो दिवसीय कौशल विकास वर्ग का आयोजन किया गया। संचालन करते हुए श्रीमती हरजीत जी और आशा जी ने कौशल विकास वर्ग की विधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कौशल विकास वर्ग में काज करना, बटन लगाना, तरपाई करना, पोस्टर मेकिंग, वाद-विवाद, लकड़ी का काम, बिजली का काम,

सलाद बनाना, योग, क्ले मॉडलिंग, प्लंबिंग, विद्युत कार्य, बागवानी, जैविक सब्जी वाटिका, भाषण कौशल, नृत्य, गायन, खेलकूद, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, इंटरव्यू, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। प्राचार्य बलवंत सिंह जी ने कौशल विकास वर्ग का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि विद्यार्थी को केवल पुस्तक ज्ञान ही आवश्यक नहीं है, अपितु दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली विधाओं का भी ज्ञान होना आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम को समय-समय पर आयोजित करने का उद्देश्य यही है कि विद्यार्थी अपने जीवन में किसी न किसी विधा में निपुणता प्राप्त करे। इस प्रकार की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों का कौशल विकास होता है और इनके प्रति रुचि बढ़ती है।

आईएसबी (ISB) में विद्या भारती के पूर्व छात्र द्वारा बनाई गई विशेष पेंटिंग का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिनों पूर्व इंडियन स्कूल आफ बिजनेस में विद्या भारती के पूर्व छात्र थोटा लक्ष्मीनारायण द्वारा बनाई गई पेंटिंग का अनावरण किया। थोटा लक्ष्मीनारायण विद्या भारती निर्मल शिशु मंदिर, तेलंगाना के 10वीं कक्षा के 1989 बैच के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद में इंडियन स्कूल आफ बिजनेस के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यह पेंटिंग बनाई थी।चार फीट बाई पांच फीट की इस पेंटिंग में आईएसबी के 20 वर्षों को चित्रित किया गया है। थोटा लक्ष्मीनारायण ने अथक परिश्रम करके एक सप्ताह के समय में इसे पूरा किया। थोटा बताते हैं कि उन्हे संक्षिप्त जानकारी दी गई थी कि पेंटिंग में 20 साल की उपलब्धियां नजर आनी चाहिए। थोटा के अनुसार प्रमुख रूप से पीले और हरे रंग वाली इस पेंटिंग में पक्षियों के साथ एक बरगद का पेड़ और नीचे एक विशाल कड़ाही बनाई गई है। भारतीय घरों में सभी शुभ अवसरों पर हल्दी का उपयोग किया जाता है जबकि हरा रंग अच्छी फसल के साथ हरे-भरे खेतों में समृद्धि का प्रतीक है। थोटा कहते हैं कि पेंटिग में चित्रित बरगद का पेड़ न केवल शुभ माना जाता है बल्कि लंबी उम्र के लिए भी जाना जाता है। आईएसबी के 20 साल पूरे होने पर पेंटिंग में मैंने 20 खूबसूरत पक्षियों को चित्रित किया है।

सामाजिक समरसता और गुणीजन सम्मान समारोह

गुणी लोगों की प्रशंसा से पूरे समाज को लाभ: श्रीराम आरावकर जी

करीमगंज। विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर ने कहा कि यदि गुणी लोगों की प्रशंसा की जाती है तो समाज में सद्गुण की महिमा का स्वतः ही प्रचार होता है और इससे पूरे समाज को लाभ होता है। समारोह में विभिन्न वर्गों के 74 व्यवसायों के गुणी प्रतिभाशाली और समाज में महत्वपूर्ण अवदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

सरस्वती विद्या निकेतन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सामाजिक समरसता और गुणीजन सम्मान समारोह में श्रीराम आरावकर जी ने कहा कि चौदह सौ वर्षों की पराधीनता ने हमारे समाज जीवन में कई असमानताएं पैदा की हैं। जातिगत भेदभाव पैदा हुआ और आक्रांताओ ने इन असमानताओं का फायदा उठाकर भारतीय समाज, शिक्षा, सभ्यता और संस्कृति को भ्रमित किया और हमें बहुत पीछे छोड़ दिया है। उन्होनें कहा कि आजादी के 74 साल बाद भी हम समग्र रूप से इस कमजोरी को दूर नहीं कर पाए हैं। देश के संत-महात्माओं और कई सामाजिक संगठनों ने अतीत में इन सभी सामाजिक असमानताओं को समाप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कई मामलों में परिवर्तन हुए हैं किन्तु और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। पूरे हिंदू समाज को सभी मतभेदों से ऊपर उठकर एक दूसरे को प्यार और स्नेह में बांधकर भारतीय संस्कृति आधारित एकात्म समरसतायुक्त राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी है। यदि कोई समाज या सामाजिक संस्था सदाचारी और गुणी लोगों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करती है तो इससे समाज में बहुत से गुणी एवं श्रेष्ठ लोगों का निर्माण होता है। यदि गुणी लोगों की प्रशंसा की जाती है तो समाज में सद्गुण की महिमा का स्वतः ही प्रचार होता है और इससे पूरे समाज को लाभ होता है।

विद्या भारती की प्रशंसा और उपलब्धियां: यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा परिणाम

अनुराधा सनेजा

नाम: अनुराधा सुनेजा
स्कूल का नाम: शिक्षा भारती विद्यालय, रोहतक, हरियाणा
उपलब्धि : यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की परीक्षा दूसरी बार में 266वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की
कोई विशेष जानकारी: वर्तमान में, वह गृह मंत्रालय के तहत दिल्ली, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दमन और दीव, और दादरा और नगर हवेली (सिविल) सेवा (DANICS) में काम कर रही है और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) प्राप्त करने की उम्मीद करती हैं ।

अनुराग नयन

नाम: अनुराग नयन
स्कूल का नाम: सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज, मुंगेर
उपलब्धि: यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा परीक्षा 379वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की
कोई विशेष जानकारी: अनुराग नयन सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज, मुंगेर के आचार्य श्री संजीव नयन के पुत्र हैं

आशीष भगत

नाम: आशीष भगत
स्कूल का नाम: सरस्वती शिशु मंदिर हरिपुर और श्री रानी सरस्वती विद्या मंदिर फोर्ब्सगंज
उपलब्धि: 85वीं रैंक हासिल कर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा- 2021 की परीक्षा उत्तीर्ण की
कोई विशेष जानकारी: इससे पहले आशीष ने बीपीएससी परीक्षा पास कर सहायक पुलिस अधीक्षक का पद हासिल किया था। लेकिन, उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी और पहले ही प्रयास में पास हो गए।

अंकित चोकसे

नाम: अंकित चोकसे
स्कूल का नाम: सरस्वती शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय, बोहानी
उपलब्धि: 2022 यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 89वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की
कोई विशेष जानकारी: अंकित एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखता है, जहाँ उसके पिता साइकिल की दुकान चलाते हैं और उसकी माँ एक शिक्षिका है।

सौम्या रंजन प्रधान

नाम: राजकुमार मीना
स्कूल का नाम: सरस्वती बाल मंदिर, हापुड़ी
उपलब्धि: उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर इस परीक्षा में 554वीं रैंक और एसटी श्रेणी में 9वीं रैंक हासिल करके आईएएस या आईपीएस के लिए अपनी सीट हासिल की।
कोई विशेष जानकारी: वर्तमान में वे भारतीय रक्षा सेवा के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं

आशीष

नाम: आशीष
स्कूल का नाम: केशव सरस्वती विद्या मंदिर
उपलब्धि: यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2021 में 23वां स्थान के साथ उत्तीर्ण की
कोई विशेष जानकारी: अपने पहले प्रयास में परीक्षा पास की

घनश्याम गौतम

नाम: घनश्याम गौतम
स्कूल का नाम: श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा
उपलब्धि: यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की परीक्षा 182वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की

सौम्या रंजन प्रधान

नाम: सौम्या रंजन प्रधान
स्कूल का नाम: सरस्वती विद्या मंडी, नीलकंठ नगर
उपलब्धि: यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-आईएएस 306वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की

विद्या भारती की उपलब्धियां : अन्य क्षेत्र में

मोहम्मद जुनैद मिर्जा

नाम : मोहम्मद जुनैद मिर्जा
स्कूल का नाम: सरस्वती शिशु मंदिर सारंगपुर, एक पॉलीथिन मुक्त स्कूल
उपलब्धि : सारंगपुर प्रखंड में 93.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सौर्यम राज

नाम : सौर्यम राज
स्कूल का नाम: शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा
उपलब्धि: इसरो के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम के लिए चयनित
कोई विशेष जानकारी: इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 150 लोगों का चयन किया गया है, जिसमें सौरम ने 20वां स्थान हासिल किया है। लोहरदगा साइंस फॉर सोसाइटी के कार्यक्रम में जिलाधिकारी (डीएम) वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने इसरो को प्राप्त पत्र सौर्यम राज को भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

सौरभ प्रताप सिंह

नाम : सौरभ प्रताप सिंह
स्कूल का नाम: नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बलिया
उपलब्धि: हार्वर्ड विश्वविद्यालय से 4.0 में से 3.85 सीजीपीए के साथ स्नातक
कोई विशेष जानकारी: सौरभ आईआईएम रांची से स्वर्ण पदक विजेता और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से फुलब्राइट फेलो हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका जाने से पहले, वह आरबीआई में सहायक महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत थे।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-65
ई-मेल: vbabss@yahoo.com, vbsamvad@gmail.com | वेबसाइट: www.vidyabharti.net
फेसबुक | ट्विटर | इंस्टाग्राम : vidyabharatiIN
Youtube: Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan
फोन: 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

समाचार पत्रों में विद्या भारती

विद्या भारती के विद्यालय दे रहे हैं राष्ट्र भक्ति की शिक्षा : आरावकर

325 आचार्यों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

11 जिलों से एसवीएम स्कूलों के 80 प्रतिनिधि हुए शामिल

हिमाचल शिक्षा समिति ने हाउस में कोरोनाकाल में बंद हुए स्कूल दोबारा खोलने पर की चर्चा

कोरोना काल में बंद एसवीएम स्कूल फिर होंगे शुरू

बिलासपुर में हुई हिमाचल शिक्षा समिति की तीन दिवसीय साधारण सभा

परिश्रम से भाग्य बदलता है - गोपाल सिंह

श्री सच्चियाय आदर्श विद्या मंदिर ओसियां में वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्या भारती विद्यालयों के आचार्यों का प्रशिक्षण वर्ग शुरू

छात्रों के विकास को विद्या भारती प्रयत्नशील

सीजी बोर्ड • दोनों छात्रों का 94 प्रतिशत

मुंगेली के अनुराग व लोरमी

विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तकनीक-मीडिया का सहारा लें: भटनागर

विद्या भारती के प्रचार प्रमुखों की अखिल भारतीय बैठक का समापन

हाई स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का किया नाम रोशन।

राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत युवा पीढ़ी का निर्माण है लक्ष्य

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल जरूरी

TS native in Forbes CIO list

STATE BUREAU
Hyderabad

Bringing laurels to the State, Raghu Sagi, a native of Karimnagar made it to the Forbes CIO Next list, which was released on Friday.

Raghu Sagi is currently the Chief Information Officer (CIO) of Inspire Brands, a multi-brand restaurant company whose portfolio includes brands such as Arby's, Baskin-Robbins, Buffalo Wild Wings, Dunkin, Jimmy John's, Rusty Taco and Sonic Drive-in restaurants worldwide.

Raghu oversees all business and technical aspects of Inspire Brands' technology shared services, including customer-facing digital, data, restaurant technology, enterprise architecture and applications, infrastructure and security. Raghu Sagi did his schooling in Warangal and Jagityal and engineering from JNTU-Hyderabad. He was earlier

Sephora, one of the world's largest cosmetics companies and Walmart, the world's biggest retailer.

Raghu's father Sanjeev Rao is a retired government veterinary doctor, who resides in Karimnagar. Last year, the privately-owned Inspire Brands reported more than $30 billion in sales at its nearly 32,000 restaurants. Raghu Sagi and his team played a key role in driving innovation at brands such as Buffalo Wild Wings, where since 2019 digital sales have almost doubled to nearly $1.5 billion, or 40% of total sales.

The $11.3 billion acquisition of Dunkin and Baskin-Robbins in 2020 took Inspire's total loyalty rewards members to 48 million. For this, Sagi used AI and machine learning to serve up personalised incentives to them, Forbes said in the feature recognising 50 top tech leaders who are redefining the CIO role and driving game-changing in-

RAGHU SAGI IS CURRENTLY THE CHIEF INFORMATION OFFICER OF INSPIRE BRANDS, A MULTI-BRAND RESTAURANT COMPANY

शिक्षा के पाठ्यक्रम में हो बदलाव: शिवकुमार

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने हाईस्कूल, हायर सेकंडरी की परीक्षा में लहराया परचम, शत-प्रतिशत रहा परिणाम।

एस.वी.एम. स्कूलों के कार्यों में सहयोग के लिए दी 15 लाख की राशि